श्री गणेशाय नमः

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भादुवों की कोटड़ी, ब्लॉक–हुरड़ा भीलवाड़ा

विद्यालय वार्षिक योजना

2017-18

प्रभारी
श्री शान्तिलाल जीनगर

प्रधानाचार्य
श्री रामधन जाट

www.rajteachers.com

इतिहास विकास का

विद्यालय स्थापना वर्ष :– 1941

क्र.सं.	विद्यालय स्तर	चरण	वर्ष
1	प्राथमिक	प्रथम	1941
2	उच्च प्राथमिक	द्वितीय	1973
3	माध्यमिक	तृतीय	2002
4	उच्च माध्यमिक	चतुर्थ	2015–16

www.rajteachers.com

–: आमुख :–

योजना कार्य के पूर्व निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु क्रम बद्ध एवं सुव्यवस्थित रीति से प्रारूप बनाकर क्रियान्विति करने की प्रणाली है।

इस प्रकार किसी भी कार्य मे सफलता प्राप्त करने के लिये आवश्यक है। कि उस कार्य की पूर्व निर्धारित योजना बनाना।

विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं को उनके सर्वागीण विकास हेतु सुरूचि पूर्ण शैक्षिक वातावरण प्राप्त हो उनकी अन्तर्मुखी प्रतिमा के विकास एवं प्रदर्शन हेतु स्वच्छ पर्यावरण सुलभ हो इस हेतु विद्यालय परिवार के सहयोग से अनुभूत कठिनाइयों के निवारणार्थ यह योजना निर्मित की गई है। जिससे विद्यालय का शैक्षिक, सहशैक्षिक एवं भौतिक विकास किया जा सकें।

आशा है कि अपने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्य करते हुये इस विद्यालय एवं छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर श्रेष्ठ छवि बनाने मे सफल हो सकेगें।

www.rajteachers.com

–: विद्यालय की अवस्थिति :–

मेवाड़ राज्य के उत्तरी छोर पर यह विद्यालय स्थित है। भीलवाड़ा जिला जिसकी उत्तरी अंतिम छोर पद पर प्रक्षालन करती खारी नदी के किनारे तहसील हुरड़ा जो पंचायत समिति मुख्यालय भी है। तहसील मुख्यालय से पूर्व की और गुलाबपुरा शाहपुरा मार्ग पर बसा 8 किमी पूर्व में स्थित दूरी पर ग्राम भादुवों की कोटड़ी बसा हुआ है।

यह गांव राष्ट्रीय मार्ग 79 से 12 किमी पूर्व में राष्ट्रीय मार्ग नं. 148 डी पर स्थित है। निकटतम रेल्वे स्टेशन गुलाबपुरा अजमेर भीलवाड़ा रेल्वे लाईन पर स्थित है। पंचायत मुख्यालय भादुवों की कोटड़ी मे स्थित स्थानीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का परीक्षा केन्द्र यहॉ से 3 किमी दूर कोठियॉ ग्राम के राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय मे स्थित है। आठवीं बोर्ड का परीक्षा केन्द्र स्थानीय विद्यालय मे है। यहॉ पर राउप्रावि आनन्दीपुरा, राउप्रावि लक्ष्मीपुरा, रासंउप्रावि लक्ष्मीपुरा, राबाउप्रावि कोटड़ी के छात्र/छात्रायें परीक्षा देने आते है। वर्तमान मे विद्यालय मे 1 से 12 तक की कक्षायें संचालित हो रही है। यह विद्यालय एक पारी समय विभाग के अनुसार चल रहा है। यह विद्यालय संकुल केन्द्र है। जिसके अधीनस्थ इस पंचायत क्षेत्र के समस्त विद्यालय आते है। इस विद्यालय मे राप्रावि बागरिया बस्ती एवं राप्रावि कोटड़ी को स्थानीय विद्यालय मे समाहित कर दिया गया है।

www.rajteachers.com

इस विद्यालय के नये भवन का कार्य पूर्ण हो चुका है। चारदिवारी अधूरी है। जिसमे एक कमरा हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड रामपुरा आगूँचा द्वारा निर्मित करवाया गया है तथा एक कमरा भामाशाह द्वारा बनवाया गया है। इस सत्र् मे यह विद्यालय नये भवन मे संचालित हो रहा है।

–: आवागमन के साधन :–

जिला मुख्यालय भीलवाड़ा से ग्राम भादुवों की कोटड़ी तक पहुचनें के लिये गुलाबपुरा तक 24 घण्टे बस सेवा (निगम) उपलब्ध है। गुलाबपुरा से यहॉ के लिये प्रत्येक घण्टे गुलाबपुरा शाहपुरा केकड़ी के लिये निजी बस उपलब्ध है एवं ब्यावर कोटा निगम बस भी उपलब्ध है।

–: संकुल के विद्यालय :–

01. राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय आनन्दीपुरा,
02. राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय कोटड़ी,
03. राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पुराना लक्ष्मीपुरा,
04. राजकीय संस्कृत उच्च प्राथमिक विद्यालय नया लक्ष्मीपुरा।

www.rajteachers.com

–: विद्यालय की प्राथमिकतायें :–

01. नामांकन मे वृद्वि।
02. कक्षा 10 एवं 12 के परीक्षा परिणाम को उन्नयन हेतु प्रयास करना।
03. विद्यालय के नवनिर्मित भवन में 5 नये कमरें और बनवाना। शेष रही चारदिवारी पूर्ण करवाना ।
04. पेयजल व्यवस्था, बिजली व्यवस्था एवं अन्य शेष रहे कार्यो को पूर्ण करवाना।

www.rajteachers.com

–: विद्यालय मे पदों की स्थिति :–

क्र.सं.	पद	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	मद
1	प्रधानाचार्य	1	1	–	बालक नॉन प्लान
2	व्याख्याता	3	2	1	बालक प्लान
3	वरिष्ठ अध्यापक	4	4	–	बालक नॉन प्लान
4	वरिष्ठ अध्यापक	1	1	–	रमसा प्लान
5	अध्यापक लेवल – 1	2	2	–	बालक नॉन प्लान
6	अध्यापक लेवल – 2	3	2	1	बालक नॉन प्लान
7	शारीरिक शिक्षक	1	1	–	बालक प्लान
8	वरिष्ठ लिपिक	1	1	–	बालिका नॉन प्लान
9	कनिष्ठ लिपिक	1	–	1	बालक नॉन प्लान
10	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1	1	–	बालक प्लान
11	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1	1	–	बालिका नॉन प्लान
योग		19	16	3	–

–: राजकीय छात्रवृतियॉ नान प्लान 2016–17 :–

www.rajteachers.com

क्र. सं.	उपमद	प्रस्तावित	लाभान्वित	उपयोग	बचत
1	SC पूर्व मैट्रिक अप्रेल 16 तक	16	16	14500	
	ST पूर्व मैट्रिक अप्रेल 17 तक	5	5	3750	
	ग्रामीण प्रतिभावान/गार्गी OBC	0	0	0	
	ओबीसी पूर्व मैट्रिक	36	36	16700	
	अल्पसंख्यक छात्रवृति	2	2		
	SBC	9	9	4720	

—: विद्यालय छात्रकोष की स्थिति 2016—17:—

क्र. सं.	मद	राशि
1	पिछले वर्ष का शेष 31.04.2016	72085
	इस सत्र 2016—17 का व्यय	28965
	इस वर्ष का शेष 31.03.2017	78141.75

—: बजट — बालक नॉन प्लान 2016—17:—

क्र. सं.	मद	स्वीकृत	व्यय
1	वेतन	6474352	6474352
	वर्दियॉ	1650	1650
	यात्रा व्यय	5200	5200
	चिकित्सा व्यय	0	0

—: बजट — बालक प्लान 2016—17:—

क्र. सं.	मद	स्वीकृत	व्यय

www.rajteachers.com

1	वेतन	1448519	1448519
	वर्दियॉ	1650	1650

–: बजट – बालिका नॉन प्लान 2016–17:–

क्र. सं.	मद	स्वीकृत	व्यय
1	वेतन	517000	517000
	यात्रा व्यय	8080	8080
	चिकित्सा व्यय	0	0

–: RMSA प्लान 2016–17:–

क्र. सं.	मद	स्वीकृत	व्यय
1	वेतन	224000	224000

–: विद्यालय विकास कोष की स्थिति 2016–17:–

क्र. सं.	मद	रोकड़	बैंक
1	पिछले वर्ष का 31.03.2016 शेष	181	8841.79
	इस वर्ष की आय	94	83902
	31.03.2017 का शेष	0	42699

–: भूमि राजस्व विवरण :–

क्र. सं.	भूमि विवरण	अराजीय नम्बर	क्षेत्र
1	शाला प्रांगण		185x95
2	शाला भवन हेतु		

www.rajteachers.com

3	क्रीडा स्थल	1546 / 4 2243 / 1575	20 बीघा 11 बीघा 12 बिस्वा

–: विद्यालय मे पुस्तकालय एवं वाचनालय स्थिति :–

क्र. सं.	पुस्तकालय	संख्या	वाचनालय	नाम / संख्या
1	विषय सम्बन्धी	484	दैनिक	राज पत्रिका, दैनिक भास्कर, दैनिक नव
2	कहानियॉ	261	साप्ताहिक	–
3	जीवनियॉ	98	पाक्षिक	–
4	उपन्यास	115	मासिक	शिविरा, लेखाविज्ञ, स्काउट गाइड, ज्योति
5	बाल साहित्य	136	त्रेमासिक	नया शिक्षक बोर्ड
6	कविता	121	–	
7	शब्द कोष, हिन्दी	5	–	
8	शब्द कोष, अंग्रेजी	11	–	
9	अन्य	1231	–	

''शिक्षा का अन्तिम लक्ष्य ज्ञान नही कर्म है''

www.rajteachers.com

–: विद्यालय मे उपस्कर तथा उपकरण का विवरण :–

क्र.सं.	सामग्री विवरण	पर्याप्त	अपर्याप्त
1	खेलकूद सामग्री	पर्याप्त	–
2	विज्ञान क्लब	पर्याप्त	–
3	स्काउटिंग सामग्री	–	अपर्याप्त
4	फर्नीचर टेबुल कुर्सी स्टूल आदि	–	अपर्याप्त
5	विधुत उपकरण	–	अपर्याप्त
6	कम्प्यूटर	पर्याप्त	–
7	प्रिन्टर	2	–
8	एलईडी	1	–
9	माईक सेट	1	–
10	लेजर	1	–
11	डॉट मेट्रिक्स	1	–

www.rajteachers.com

–: विद्यालय के प्रभार एवं प्रभारी :–

क्र.सं.	प्रभारी	पद	प्रभार
1	श्री रामधन जाट	प्रधानाचार्य	1 परिवीक्षण प्रभारी 2 समय विभाग चक्र
2	श्री शान्ति लाल मोची	व्याख्याता हिन्दी	1 कक्षाध्यापक कक्षा 11 2 प्रवेशोत्सव 3 उत्सव जयन्ति प्रभारी 4 शाला योजना निर्माण
3	श्री धनसिंह राठौड़	व्याख्याता राज. विज्ञान	1 केरियर डे प्रभारी 2 दैनन्दिनी जॉच प्रभारी
4	श्री बुद्विप्रकाश त्रिपाठी	व.अ. गणित	1 विकास सचिव 2 एसएमसी प्रभारी 3 रोकड़ पंजिका जॉच 4 आरएमएसए 5 कक्षाध्यापक कक्षा 10
5	श्रीमती मुन्नी माथुर	व.अ. हिन्दी	1 परीक्षा प्रभारी 2 कक्षाध्यापक कक्षा 7
6	श्रीमती प्रेमलता शर्मा	व.अ. संस्कृत	1 पुस्तकालय एवं वाचनालय 2 निःशुल्क पाठ्य पुस्तक 3 नामांकन 4 कक्षाध्यापक कक्षा 6
7	श्री राजाराम मीणा	व.अ. अंग्रेजी	1 वीसी प्रभारी 2 कम्प्यूटर प्रभारी 3 कक्षाध्यापक कक्षा 12
8	श्रीमती रंजना जैन	व.अ. विज्ञान	1 कक्षाध्यापक कक्षा 9 2 सहायक परीक्षा प्रभारी
9	श्रीमती लतां कंवर	अध्यापिका लेवल–II	1 एमडीएम 2 दैनिक उपस्थिति 3 विद्यालय साज सज्जा 4 कक्षाध्यापक कक्षा 3
क्र.सं	प्रभारी	पद	प्रभार

www.rajteachers.com

10	श्रीमती उजमा खान	अध्यापिका लेवल–II	1 कक्षाध्यापक कक्षा 8
11	श्रीमती हेमलता शर्मा	अध्यापिका लेवल–I	1 कक्षाध्यापक कक्षा 1–2
12	श्रीमती निर्मला जोशी	अध्यापिका लेवल–I	1 कक्षाध्यापक कक्षा 4–5
13	श्री ओमप्रकाश चौधरी	शा.शि. III	1 खेलकूद प्रभारी 2 शाला स्वास्थ्य 3 केरियर डे 4 प्रार्थना सभा 5 स्काउट एवं गाइड आयरन गोली एवं वृक्षारोपण
14	श्री शशिकान्त व्यास	व.लि.	1 कार्यालय प्रभारी 2 लेखाशाखा 3 विकास 4 संस्थापन 5 आवक–जावक 6 भंडार प्रभारी

www.rajteachers.com

–: सत्र के दौरान कार्यदिवस :–

क्र. सं.	माह का नाम	कुल कार्य दिवस
1	जून 17	10
2	जूलाई 17	25
3	अगस्त 17	23
4	सितम्बर 17	22
5	अक्टूबर 17	13
6	नवम्बर 17	23
7	दिसम्बर 17	18
8	जनवरी 18	20
9	फरवरी 18	22
10	मार्च 18	24
11	अप्रेल 18	21
12	मई 18	

www.rajteachers.com

शैक्षिक योजना
सत्र 2017–18

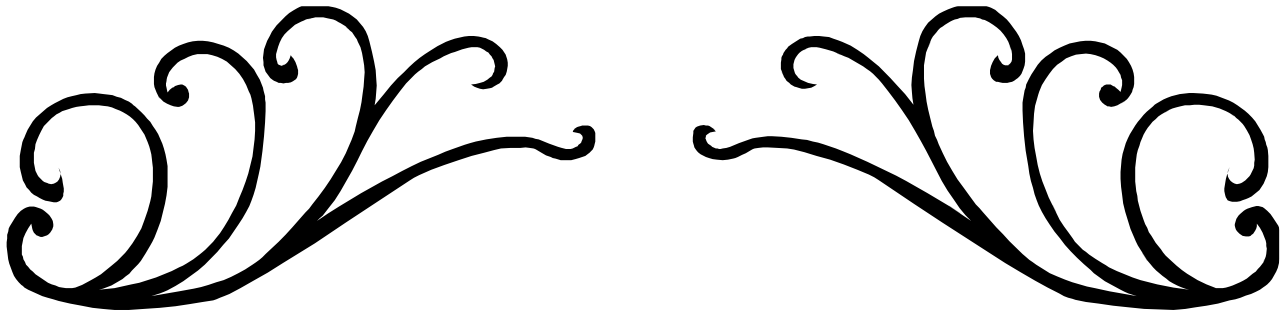

01 वर्तनी सुधार हिन्दी एवं अंग्रेजी
02 बोर्ड परीक्षा परिणाम
03 अध्यापक दैनन्दिनी संधारण

www.rajteachers.com

शैक्षिक योजना
वर्तनी सुधार हिन्दी एवं अंग्रेजी
प्रभारी :– श्री राजाराम मीणा एवं श्रीमती मुन्नी माथुर

आवश्यकता :–

1 कक्षा 1 से 12 तक के छात्र/छात्राओं में अंग्रेजी अध्ययन के प्रति रूचि जागृत करना।
2 दैनिक जीवनोपयोग अंग्रेजी शब्द एवं वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियों मे सुधार।
3 हिन्दी अध्ययन मे शब्दो की मात्राओं की लिखित एवं मौलिक उच्चारण शुद्धता के साथ ह्रस्व दीर्घ, अनुस्वार, विसर्ग, संयुक्ताक्षर तथा, विराम, चिह्नों सम्बन्धी अशुद्धियॉ, दूर कर उनका सही ज्ञान कराना।

वर्तमान स्थितिः–

1 छात्र/छात्राओं मे दोनों विषयों मे वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियों की अधिकता है।
2 शुद्ध, एवं स्पष्ट हिन्दी एवं अंग्रेजी बोलने का अभ्यास करवाने के साथ साथ जैसा सुने वैसा ही लिखने का अभ्यास करवाने का प्रयास करना। दोनो विषयों में श्रुतलेख करवाया जाता है।

कार्य के लक्ष्य :–

1 प्रति सप्ताह 20 छात्र/छात्राओं द्वारा की जाने वाली अंग्रेजी एवं हिन्दी वर्तनी सम्बन्धी समस्या एवं सामान्य त्रुटियों की सूचीबद्व कर नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित कर सुधार करवाना।
2 हिन्दी के शब्द एवं English Word लेख एवं शब्दों के उच्चारण सम्बन्धी त्रुटियों को शुद्व करवाना।
3 English विषय अध्ययन के प्रति रूचि जाग्रत कर दक्ष बनाना।
4 हिन्दी मे वर्तनी एवं विराम चिह्न सम्बन्धी अशुद्धियों को सुधरवाना।
5 अंग्रेजी शब्दों का ज्ञान एवं हिन्दी मे वर्तनी एवं विराम चिह्नों की अशुद्धियों को दूर करवाना।

www.rajteachers.com

उपलब्ध संसाधनः—

1. कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्यपुस्तकों द्वारा हिन्दी शब्दकोष, Eng Dictionary
, Tense, chart व हिन्दी व्याकरण चाटर्स ।

क्र.सं.	क्रियान्विति के चरण	अवधि	पद पूर्ति तिथि
1	प्रति सप्ताह 25 Meaning एवं हिन्दी मे श्रुतलेख एवं अनुवर्तन।	2 माह	31 अक्टूबर 2017
2	प्रति सप्ताह एक पेज Eng में Writing एवं हिन्दी मे संयुक्ताक्षार	4 माह	30 नवम्बर 2017
3	Running Hard Writing	3 माह	31 दिसम्बर 17
4	अभ्यास तत्सम् एवं समानार्थक व्याकरण संबधी हृस्व एवं दीर्घ स्वर	5 माह	31 मार्च 18

मूल्यांकनः—

1. माहवार उपलब्धि प्रतिशत के आधार पर सत्र मे दो बार।
2. अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन सत्र के मध्य तक में।
3. उपलब्धि प्रतिशत के आधार पर।

www.rajteachers.com

शैक्षिक योजना
बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्य

प्रभारी :– श्री बुद्विप्रकाश त्रिपाठी एवं समस्त विषयाध्यापक

आवश्यकता :–

1 विद्यालय का माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं आठवीं बोर्ड स्तर का परिणाम बोर्ड स्तर के अनुसार अनुरूप रखना।

2 स्थानीय स्तर की कक्षाओं का परीक्षा परिणाम वर्ष के स्तर के अनुरूप रखना।

3 गुणात्मक दृष्टि से परिणाम में अपेक्षित सुधार करना।

वर्तमान स्थितिः–

1 सत्र 2016–17 मे माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं आठवीं बोर्ड परीक्षा, पॉचवीं बोर्ड परीक्षा में कक्षा 12 मे 15 छात्र/छात्रायें कक्षा 10 मे ..... छात्र/छात्रा कक्षा 8 में .....छात्र/छात्रा, कक्षा 5 मे.....छात्र/छात्रा प्रविष्ट हुऐं जिनका संभावित परिणाम 100 प्रतिशत

कार्य के लक्ष्य :–

1 सत्र 2016–17 के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं आठवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक रूप से 20प्रतिशत वृद्वि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एवं संख्यात्मक परिणाम में 30 प्रतिशत की वृद्वि करना है।

2 अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम से पूर्व सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूर्ण करवाकर दोहरान कार्य के आधार पर परिणाम उन्नयन।

3 प्रतिभावान एवं कमजोर छात्रों की सूचीबद्व करके व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना।

www.rajteachers.com

कियान्विति के चरण :–

1 दैनिक दैनन्दिनी के प्रभावी उपयोग हेतु नियमित परिवीक्षण सत्र् पर्यन्त।
2 प्रतिभावान एवं कमजोर छात्र/छात्राओं को सूचीबद्व करके व्यक्तिगत ध्यान देना।
3 छात्र/छात्राओ के घर जाकर उनके अभिभावकों के सहयोग से घर पर छात्र/छात्राओं को अध्ययन हेतु प्रेरित करना।
4 संस्थाप्रधान द्वारा लिखित कार्य एवं अध्ययन कार्य का सघन परिवीक्षण।
5 समस्त विषयों में इकाई समाप्ति पर यूनिट टेस्ट लेना।
6 कमजोर एवं प्रतिभावान छात्र/छात्राओं की सूचीबद्व करके उपचारात्मक शिक्षण व्यवस्था प्रारम्भ करना।
7 अर्द्ववार्षिक परीक्षा तक समस्त पाठ्यक्रम पूर्ण करवाना।
8 गत वर्षो के प्रश्न पत्र हल करवाना डेस्क बुक्स के प्रश्नों को हल करवायें जाना। स्वनिर्मित प्रश्न पत्र तैयार कर उनको हल करवाना।
9 छात्र/छात्राओं के घर जाकर उनका औचक निरीक्षण करना।
10 बोर्ड परीक्षा परिणाम अन्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत करना।

उपलब्ध संसाधनः–

1 सभी विषयाध्यापकों द्वारा संधारित इकाई परीक्षा व परखों का रिकार्ड अध्यापक दैनन्दिनी मे संधारित।
2 प्रश्नों पत्रों के सेटबोर्ड द्वारा निर्मित मॉडल पेपर।

मूल्यांकनः–

1 संस्थाप्रधान प्रधानाचार्य जी द्वारा गत वर्षो के परिणाम के आधार पर मूल्यांकन करना।
2 विभिन्न परखों यूनिटों अर्द्ववार्षिक परीक्षा मे छात्र/छात्राओं की उपलब्धि आधार पर।
3 छात्र/छात्राओं की सहभागिता के आधार पर।
4 माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं आठवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम के आधार पर।

प्रभारी :– श्री धनसिंह राठौड़

मानक अपेक्षाऐं :–

1 सभी अध्यापक एवं अध्यापिकायें नियमित व्यक्तिगत रूप से दैनन्दिनी संधारण करेंगें।
2 दैनन्दिनी मे सभी सूचनाये आवश्यक रूप से भरी जायेगी।
3 पाठ्यक्रम का विषयवार मासिक विभाजन किया जायेगा। एवं गृहकार्य की वार्षिक योजना बनाई जायेगी।
4 दैनन्दिनी मे कमजोर एवं प्रतिभावान छात्र/छात्राओं की सूची बनाई जायेगी। जिससे उनकी तरफ व्यक्तिगत ध्यान दिया जा सकें।

वर्तमान स्थिति :–

1 सभी अध्यापक एवं अध्यापिकायें दैनन्दिनी संधारित करते हुये वाछित योजनाओं एवं सूचनाओं का संधारण करते है।
2 समय पर पाठ्यक्रम का अध्ययन एवं दोहरान का संधारण एवं वाछित सूचना दिशा निर्देशो की अनुपालना की जाती है।

कार्य के लक्ष्य एवं उदेश्य :–

1 दैनन्दिनी में समस्त वाछिंत सूचनाऐं लिखने की आदत का निर्माण करना।
2 दैनन्दिनी के आधार पर योजनाबद्ध शिक्षण कार्य पूर्ण करना एवं सुनिश्चित किया जाना जिससें की शिक्षक अधिगम कार्य को प्रभावी बनाया जा सकें।
3 सभी शिक्षकों को दैनन्दिनी नियमित रूप से संधारण करते हुये प्रतिदिन पॉच नई बाते सीखने व लिखने को उत्प्रेरित करना।

www.rajteachers.com

सहशैक्षिक योजना

सत्र 2017–18

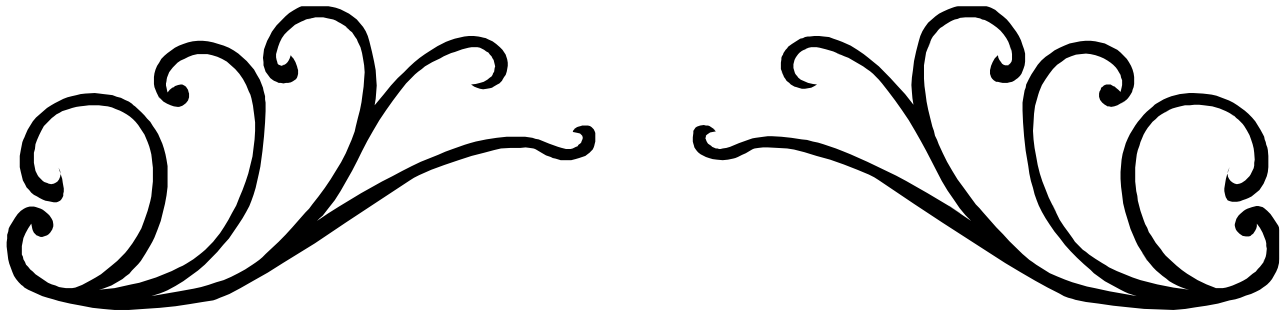

01 स्काउटिंग
02 केरियर डे गाइडेन्स एवं निर्देशन
03 प्रभावी प्रार्थना सभा
04 अभिभावक संघ

www.rajteachers.com

सहशैक्षिक योजना
स्काउटिंग
प्रभारी :– श्री ओमप्रकाश चौधरी

स्काउट/गाईड कर्म वचन से शुद्व होता है।

मानक आवश्यकताः–

1 समायोजन सुव्यवस्थित दिनचर्या, परोपकार, की भावना, आत्मविश्वास जगाना।
2 छात्रों में स्वावलम्बी बनने, मर्यादा पूर्वक, आज्ञापालन करने चरित्र निर्माण करने, सहिष्णुता, सहयोग की भावना का विकास करना।
3 स्वच्छ रहने एवं तम्बू शिविर का प्रशिक्षण देना।

वर्तमान स्थिति :–

1 इस सत्र मे 8 स्काउट ने तृतीय सोपान मे भाग लिया।

कार्य के लक्ष्य :–

1 8–10 स्काउट को तृतीय सोपान करवाना।
2 राज्यपाल सम्मानित स्काउट हेतु छात्रों को तैयार करना।
3 छात्रों के आधुनिक समाज मे अनुशासन हीनता जेसी परिस्थितियों में जीने के लिये हर प्रकार की चुनोतियों का सामना करनें की क्षमता का विकास करना।
4 पुरस्कार प्राप्ति हेतु प्रेरित करना।

साधन सुविधाये :–

1 अनिवार्य स्काउट गणवेश, बैज, रस्सी, सूतलिया सीटी, प्राथमिक उपचार पेटिका, स्काउट गाइड साहित्य, भोजन बनाने सम्बन्धी, आवश्यक सामग्री।

www.rajteachers.com

कियान्विति के चरण :–

1 अध्यापकों को दैनन्दिनी का वितरण करना। समय सीमा 1 दिवस
2 आवश्यक सूचनाओं की पूर्ति करवाना। समय सीमा 7 दिवस
3 पाठ्यक्रम भरना एवं इकाईवार विषयवस्तु का विभाजन करना। समय सीमा सात दिवस
4 दैनन्दिनी का नियमित संधारण करना। प्रतिदिन
5 अवलोकन एवं मार्गदर्शन करना। प्रतिदिन एवं सत्र् पर्यन्त

संसाधन :–

1 अध्यापक दैनन्दिनी।
2 पाठयपुस्तकें।
3 संदर्भ पुस्तके।
4 बोर्ड एवं विभागीय पाठ्यक्रम।
5 दृश्यसामग्री चाटर्स/ मॉडल उपकरण।
6 समय विभाग चक्र।

मूल्यांकन :–

1 दैनन्दिनी मे विभिन्न सूचनाओं की आपूर्ति करवाना।
2 दैनन्दिनी का सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाओं द्वारा नियमित संधारण।
3 अध्यापन एवं लिखित कार्य का नियमित परिवीक्षण के आधार पर।
4 द्वितीय एवं तृतीय सौपान एवं राज्यपाल परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के आधार पर।

कियान्विति के चरण :–

क्र.सं.	कियान्विति के चरण	अवधि	अवधि पूर्ति तक
1	स्काउट कम्पनी का गठन एवं द्रुप गठन।	1 माह	15 मई 17
2	1 द्वितीय एवं तृतीय सोपान हेतु प्रशिक्षण शिविर में भाग लेना।	1 माह	31 जुलाई 17
3	राष्ट्रीय कार्यक्रमों पुण्यार्थ संस्थाओं मे समाज सेवा कार्य।	सत्र पर्यन्त	20 अप्रेल 18
4	बैडेन पावेल जयन्ति का आयोजन करना।	एक दिन	22 फरवरी 18

सहशैक्षिक योजना

www.rajteachers.com

केरियर–डे गाइडेन्स एवं निर्देशन

प्रभारी :– श्री ओमप्रकाश जाट (शा.शि.)

वर्तमान स्थिति :–

1 छात्रवत्ति सम्बन्धी सूचनायें माह जुलाई में दी जाती है।

2 समय समय पर कक्षा 9 से 12 की छात्राओं की शैक्षिक व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

3 प्रतिवर्ष 12 जनवरी को ''केरियर –डे'' विवेकानन्द जयन्ति समारोह पूर्वक मनाया जाता है। साथ ही विभिन्न निर्धारित प्रतियोगिता आयोजित की जाती है।

कार्य के लक्ष्य एवं उदेश्य :–

1 सभी पात्र छात्र/छात्राओं की उनसे सम्बन्धित वर्ग की छात्रवति के लिये कक्षाध्यापकों के सहयोग से आवेदन भरवाना।

2 कक्षा 9 से 12 तक के छात्र/छात्राओं को उनके स्तर के अनुसार योजनाबद्ध रूप से अपेक्षित मार्गदर्शन करना।

3 कक्षा 1 एवं 12 के छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों के दृष्टिगत शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन देना।

4 छात्र/छात्राओं मे ''स्वामी विवेकानन्द'' के आदर्शो को अपने व्यावहारिक जीवन में अपनाने के लिये प्रोत्साहित करना जिससे राष्ट्र निर्माण मे अपना योगदान दे सकें।

www.rajteachers.com

कियान्विति के चरण :–

क्र.सं.	कियान्विति के चरण	समय सीमा
1	सम्पूर्ण सत्र की विस्तृत योजना का निर्माण करना।	15 दिन
2	विभिन्न छात्रवृत्तियों की सूचना (अजा, अजजा, अपिव, अल्पस, विकलांग, देवनारायण, पालनहार, आपणी बेटी, बा प्रो, साई, वि, ट्रा वा, प्रार्थना सभा मे देना एवं सूचना पट्ट पर आवश्यक दिशा निर्देश अंकित करना।	1 माह
3	निर्देशो से सम्बन्धित मासिक वार्ताऐं एवं माह के अन्तिम कार्य दिवस को निर्देशन कार्य करना।	सत्र पर्यन्त
4	''केरियर डे'' आयोजन प्रदर्शनी, निबन्ध, पत्र–वाचन, साहित्य, संकलन, पोस्टर, प्रतियोगिता, विशेषज्ञ वार्ताऐं, व प्रतिवेदन प्रेषित करना।	1 माह

संसाधन :–

1 राजस्थान पत्रिका, दैनिक नवज्योति एवं दैनिक भास्कर के निर्देशन, सूचना पत्र एवं केरियर डे संदर्शिका,।

2 प्रतियोगिता दर्पण रोजगार समाचार, विभिन्न संसाधनों द्वारा जारी विज्ञप्ति व चाटर्स, बुकलेट्स आदि।

3 विभिन्न क्षैत्रों के वार्ता विशेषज्ञ।

मूल्यांकन :–

1 छात्र/छात्राओं को विभिन्न छात्रवृत्तियों से प्राप्त आर्थिक सहयोग, भविष्य के प्रति उत्कण्ठा आंकाक्षा एवं विचार विनिमय के आधार पर।

सहशैक्षिक योजना

www.rajteachers.com

खेलकुद

प्रभारी :– श्री ओमप्रकाश चौधरी

मानक आवश्यकताः–

1 छात्र/छात्राओं का सर्वागीण विकास कर जिला, राज्य, एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग दिलवाना।

2 छात्र/छात्राओं को खेल सम्बन्धी व्यावहारिक व सैद्वान्तिक ज्ञान प्रदान कर उनके स्वास्थ्य का विकास करना।

3 उत्तम खिलाडियों का चयन कर उन्हे प्रशिक्षण शिविर मे भेजने का प्रयास करना।

4 मैदान एवं खेल उपकरण उपलब्ध करवाना।

5 छात्र और छात्राओं मे खेलने के माध्यम से आपस मे सहयोग एवं सहिष्णुता की भावना का विकास एवं शारीरिक व मानसिक विकास करना।

6 अनुशासन मे रहने की भावना का विकास करना।

वर्तमान स्थिति :–

1 छात्र/छात्राओं को खेल हेतु प्रोत्साहित करने के लिये अन्तर्सदन प्रतियोगितायें आयोजित की जाती है।

2 छात्र/छात्राओं द्वारा 2015 मे जिला स्तरीय एथेलटिक मे भाग लिया तथा छात्राओं ने जिमनास्टिक में जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा राज्य स्तर पर भाग लिया।

www.rajteachers.com

कार्य के लक्ष्य :–

1 सत्रारम्भ मे छात्र/छात्राओं द्वारा मैदान की साफ सफाई एवं उसे खेलने हेतु तैयार करना।

2 अन्तर्सदन प्रतियोगिता आयोजित करवाना।

3 छात्र/छात्राओं को एथेलेटिस् जिमनास्टिक बॉलीबाल, आदि खेलों के नियमों का व्यावहारिक व सैद्धान्तिक ज्ञान देना।

4 जिला, राज्यस्तर व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेलकूद, प्रतियोगिता मे विशेष उपलब्धि हासिल करना।

क्रियान्विति के चरण :–

क्र.सं.	क्रियान्विति के चरण	अवधि	पद पूर्ति तिथि
1	सत्रारम्भ मे छात्र/छात्राओं का प्रतियोगिता हेतु चयन करना।	20 दिन	10 मई 17
2	सांयकालीन प्रतियोगिता एवं प्रवृत्तियॉ आयोजित करना।		
3	सांयकालीन प्रवृत्तियों मे सभी खेलों का अभ्यास करवाया जायेगा।	साय 4 से 6 तक	

मूल्यांकन :–

1 छात्र/छात्राओं की दो–दों टीमें बनाकर मैच करवाकर खिलाडियों में जो श्रेष्ठ हो उनका चयन कर अच्छी टीम बनाना।

2 खेल को खेलने की क्षमता के आधार पर।

www.rajteachers.com

सहशैक्षिक योजना
प्रभावी प्रार्थना सभा
प्रभारी :– श्री ओमप्रकाश चौधरी

मानक आवश्यकता:–

1 प्रार्थना सभा कार्यक्रम का वातावरण, आनन्दमयी एवं प्रेरक बनाना।
2 छात्रों को अध्ययन एवं अध्यापन हेतु वातावरण निर्माण।
3 छात्रों के ध्यान को एकाग्रचित करना।
4 छात्रों मे अनुशासन की भावना का विकास करना।
5 छात्रों मे राष्ट्रीयता एवं भावनात्मक एकता का विकास करना।
6 छात्रों मे योग एवं योगासनों के महत्व के प्रति रूचि उत्पन करना।
7 छात्रों में मौलिक एवं वैचारिक अभिव्यक्ति का विकास करना।
8 छात्रों मे सामान्य ज्ञान, सामयिक घटनाओं की जानकारी मे वृद्वि करना।
9 छात्र/छात्राओं मे नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों को विकसित करना।

वर्तमान स्थिति :–

1 प्रार्थना सभा कार्यक्रम वाद्ययंत्रो के साथ होता है।
2 छात्र/छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत योजनानुसार बोली जाती है।
3 प्रार्थना सभा मे छात्र/छात्राओं पंक्तिबद्व खड़े होते है। पक्तिबद्व होकर कक्षाओं में जाते हैं
4 प्रार्थना सभा मे प्रार्थना सभा स्थल पर, योगासन में ओइम ध्वनि करवाना, समाचार वाचन, प्रश्नोत्तर पूछना कहानी किस्से, नियमित रूप से बताये जातें है।
5 गुरूवार के अतिरिक्त प्रत्येक दिवस मे छात्र/छात्रा गणवेश मे आते है।

www.rajteachers.com

कार्य के लक्ष्य :–

1 छात्र/छात्राओं की 100 प्रतिशत उपस्थिति एवं 100 प्रतिशत ठहराव सुनिश्चित करना।
2 छात्रों मे नैतिक मूल्यों के जीवन मे अपनाने हेतु प्रेरित करना।
3 छात्रों मे वैचारिक एवं मौलिक अभिव्यक्ति विकसित करना।
4 अनुशासन एवं राष्ट्रीय भावना का विकास करना।
5 छात्र/छात्राओं को आदर्श नागरिक के रूप मे विकसित करना।

क्रियान्विति के चरण :–

क्र.सं.	क्रियान्विति के चरण	अवधि
1	प्रार्थना सभा की योजना तैयार करना	सत्र पर्यन्त
2	प्रतिदिन निश्चित कार्य क्रमोनुसार समस्त छात्र/छात्राओं द्वारा प्रार्थना वाद्ययंत्रो के साथ बोलना	–''–
3	प्रार्थना स्थल पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य	–''–
4	निश्चित योजनानुसार प्रार्थना सभा, कार्यक्रम मे राष्ट्रगीत, प्रार्थना, मौन प्रार्थना इत्यादि बोलना।	–''–
5	श्लोको व समाचारों का समावेश।	–''–
6	योगासन के साथ योग घ्वनि का उच्चारण।	–''–
7	सप्ताह मे तीन दिन नैतिक प्रवचन कार्यक्रम।	–''–
8	छात्र/छात्राओं स्वच्छता का अवलोकन	–''–
9	सप्ताह मे तीन प्रश्नोत्तरी	–''–
10	प्रतिदिन कक्षावार, राष्ट्रभक्ति, गीत प्रस्तुत करना।	सत्र पर्यन्त
11	छात्रों मे तम्बाकू, बीड़ी सिगरेट, सेवन की आदतों को दूर किये जाने हेतु आकस्मिक तलाशी अभियान।	–''–

साधन सुविधाये :–

www.rajteachers.com

1 हारमोनियम, ढोलक, मजीरे, ढपली, करतल आदि।
2 समाचार पत्र, सामान्य ज्ञान, पुस्तक आदि।
3 समस्त प्रभारी शिक्षक एवं छात्र/छात्रायें।

मूल्यांकन :—

1 प्रश्नोत्तरी सांस्कृतिक एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के आधार पर।
2 छात्र/छात्राओं के अनुशासन एवं उनकी मानसिकता मे सकारात्मक परिवर्तन के आधार पर।
3 प्रार्थना स्थल पर छात्र/छात्राओं की उपस्थिति के आधार पर।
4 द्वितीय एवं तृतीय सौपान एवं राज्यपाल परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के आधार पर।

www.rajteachers.com

सहशैक्षिक योजना
शिक्षक अभिभावक संघ
प्रभारी :– श्री बुद्धिप्रकाश त्रिपाठी

मानक अपेक्षायें :–

1 शत प्रतिशत छात्राओं के अभिभावको को विद्यालय मे छात्र/छात्राओं की समस्याओं के संबंध मे विचार वार्ता हेतु आने को प्रेरित करना तथा विशेष योग्यता रखने वाले छात्र/छात्राओं को सम्मानित करना।

वर्तमान स्थिति :–

1 छात्र/छात्राओं की समस्या के बारे मे विचार विमर्श करने तथा सुझावों की अभिव्यक्ति करने के लिये अभिभावकों का अध्यापकों से सम्पर्क बनाये रखना ताकि सुझावों पर अमल व समस्याओं का निदान किया जा सकें।

2 कभी–कभी ऐसा अनुभव होता है कि अभिभावक नही आ सकते है। अतः छात्राओं के माध्यम से विद्यालय मे अभिभावकों को बुलाना आवश्यक है।

कार्य के लक्ष्य एवं उदेश्य :–

1 छात्र./छात्राओं के अध्ययन तथा अन्य सहयोगी प्रवृत्तियों मे छात्र/छा. त्राओं के स्तर की जानकारी अभिभावक को दी जायेगी। जिससे छात्र/छात्राओं की समस्या का निदान हो व रूचि कायम रह सकें।

www.rajteachers.com

क्रियान्विति के चरण :–

क्र.सं.	क्रियान्विति के चरण	अवधि
1	**मई 2017** छात्र/छात्राओं के अभिभावको से सम्पर्क रह सके इसके पूर्व अभिभावक बैठक दिन निश्चित कर छात्र/छात्राओं को बताया जायेगा।	मई 2007 से सत्र पर्यन्त
2	**जूलाई 2017** अभिभावकों से छात्र/छात्राओं के परिणाम सम्बन्धी वार्ता की जायेगी।	–''–
3	**अगस्त 2017** प्रथम परख के परिणाम के लिये अभिभावक व अध्यापक विचार विमर्श किया जायेगा।	–''–
4	**सितम्बर 2017** मेघावी छात्र/छात्राओं के साथ साथ कमजोर बालक/बालिकाओं का चयन करना व समस्याओं पर विचार करना।	–''–
5	**अक्टूबर नवम्बर 2017** कमजोर छात्र/छात्राओं की अतिरिक्त कक्षाओं के बारे मे विचार विमर्श करना।	–''–
6	**दिसम्बर 2017** अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम के आधार पर अभिभावक मीटिंग करना व समस्या की जानकारी देना।	–''–
7	**जनवरी फरवरी 2018** छात्र/छात्राओं के अभिभावकों की घर पर बच्चों से अध्ययन करवाना व श्रेष्ठ परिणाम लाने के लिये प्रेरित करना।	–''–

साधन सुविधाये :–

1 रजिस्टर एवं छात्र/छात्राओं की सूची।

मूल्यांकन :–

1 अभिभावकों की उपस्थिति के आधार पर।

www.rajteachers.com

भौतिक योजना

सत्र 2017–18

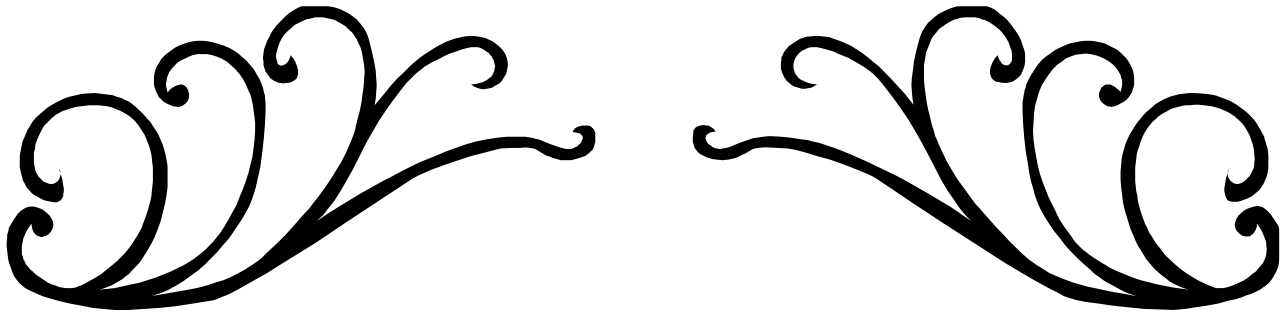

01 विद्यालय का सौन्दर्यीकरण
02 विद्यालय की चारदिवारी, कमरों का निर्माण, टीनशेड, बिजली एवं पेयजल व्यवस्था

www.rajteachers.com

भौतिक योजना
विद्यालय का सोन्दर्यीकरण

प्रभारी :– श्री शान्ति लाल जीनगर एवं बुद्धिप्रकाश त्रिपाठी

मानक अपेक्षायें :–

1 नव निर्मित भवन होने से सर्वप्रथम नारे लेखन करवाना।
2 परिसर मे वृक्षारोपण एवं फुलवारी व कक्षा कक्षों की आवश्यकतानुसार साज सज्जा द्वारा विद्यालय का सौन्दर्यीकरण।
3 प्रवेश द्वार से विद्यालय भवन तक बने मार्ग के दोनो और मेहन्दी, कंडील अथवा कालियॉ के पौधों को लगवाना व बरामदे मे नक्शे आदि बनवाना।
4 प्रवेश द्वारा के दोनो और अशोक के पौधे लगवाना।

वर्तमान स्थिति :–

1 विद्यालय परिसर में जो पौधे लगाये गये है। उनका छात्र/छात्राओं द्वारा पूर्ण ध्यान रखा जाता है।
2 विद्यालय परिसर की साफ सफाई करवाई जाती है।
3 नया भवन बना है अतः दिवारों पर कुछ लिखा एवं बनवाया नही गया है।
4 भवन के प्रत्येक कमरे मे कचरा पात्र रखा गया है।

कार्य के लक्ष्य एवं उदेश्य :–

1 विद्यालय भवन के बरामदे के दीवारों के उपर की और सुन्दर नारे एवं अनमोल वचन लिखवाने है।
2 बरामदे की दिवारों पर नक्शे, विद्यालय कार्य सम्बन्धी सूचना पट्ट बनवाना है।
3 विद्यालय की चारदिवारी के पास पर्याप्त वृक्षारोपण करवाना एवं ट्रीगार्ड लगवाना या ईटों के सुरक्षा घेरे बनवाना।

www.rajteachers.com

4 विद्यालय के बाहर चारदिवारी पर जल स्वावलम्बन, बेटी बचाओ, बेटी पढाओं व सरकारी योजनाओं से सम्बन्धित नारे लिखवाना।

साधन सुविधाये :—

1 रंग या नील, कूची, ब्रश, कचरा—पात्र, ऑयल पेन्ट आदि।

क्रियान्विति के चरण :—

क्र.सं.	क्रियान्विति के चरण	अवधि
1	**विद्यालय परिसर की साफ सफाई**	मई 2017 से सत्र् पर्यन्त
2	**कक्षाकक्षों मे कचरा पात्र।**	—''—
3	**महापुरूषो के चित्र एवं सभी विषयों से सम्बन्धित चार्टस हर कक्षा कक्ष मे लगवाना।**	—''—
4	**चारदिवारी के अन्दर बाहर वृक्षारोपण करना।**	—''—

मूल्यांकन :—

1 सत्र मे दो बार अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन प्राप्ति उपलब्धि प्रतिशत के आधार पर।

www.rajteachers.com

भौतिक योजना
नये भवन की चारदिवारी, कमरों का निर्माण, टीन शेड, बिजली एवं पेयजल व्यवस्था
प्रभारी :– शशिकान्त शर्मा (वलि)

मानक अपेक्षायें :–

1 स्थानीय विद्यालय के भवन निर्माण का कार्य चल पूर्ण हो चुका है वहॉ पर 6 से 12 तक की कक्षायें संचालित होगी।
2 विद्यालय मे अभी पॉच कमरों की और अति आवश्यकता है।
3 चारदिवारी का कार्य अपूर्ण है उसे पूर्ण करवाना।
4 स्टेज पर टीन शेड लगवाने का कार्य करवाना।

वर्तमान स्थिति :–

1 स्थानीय विद्यालय को श्रीमती टीना कुमार जिलाधीश महोदय द्वारा अराजीय नम्बर 1546 मे बीस बीघा जमीन भूमि निर्माण व क्रीड़ा स्थल हेतु आवटित की गई।
2 उक्त भूमि पर नये भवन का निर्माण कार्य किया जा चुका है। जिसमे आरएमएसए द्वारा चार कमरे एवं एक कमरा आगूॅचा माईन्स द्वारा पूर्ण व एक कमरा दानदाता एसबीआई मैनेजर श्री हगामी लाल जी भील द्वारा मय बरामदे के पूर्ण हो चुका है।
3 विद्यालय मे अभी पॉच कमरों की आवश्यकता है जिसके लिये प्रस्ताव भेजे जा चूके है।
4 विद्यालय परिसर के दोनो तरफ 5–5 फीट कहत्री दिवार बनी है जिसका निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा करवाया गया है।
5 दान दाताओं 10000 लीटर क्षमता के हौद का निर्माण करवाया जा चुका है।
6 उक्त भवन मे बिजली की व्यवस्था हेतु 30 प्रतिशत राशि विद्यालय एवं 70 प्रतिशत राशि विधायक महोदय द्वारा दी गई है।

7 हिन्दुस्तान जिंक द्वारा छात्र/छात्राओं हेतु पृथक पृथक शौचालय का निर्माण करवाया गया हैं

www.rajteachers.com

8 विकलांगों हेतु रैम्प का निर्माण करवाया गया हैं
9 मुख्य द्वारा से विद्यालय भवन तक जाने हेतु सीसी सड़क बनी हुई है।

क्रियान्विति के चरण :–

क्र.सं.	क्रियान्विति के चरण	अवधि
1	**पॉच कमरों की स्वीकृति आते ही निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाना**	मई 2017 से सत्र पर्यन्त

साधन सुविधाये :–

1 हिन्दुस्थान जिंक एवं भामाशाहों के सहयोग से शेष निर्माण कार्य पूर्ण करवाना।

मूल्यांकन :–

1 विद्यालय मे सभी शेष रहे कार्यो के पूर्ण होने के आधार पर।

www.rajteachers.com

भौतिक योजना
वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम (वर्षा जल संग्रहण)

मानक अपेक्षाऐं :–

1 वर्तमान समय मे जल स्तर कम हो गया है तथा वर्षा जल का सदुपयोग कर वर्षा जल संग्रहण विधि द्वारा नये विद्यालय भवन मे भूमिगत टैंक बनवार जल संग्रहण की आवश्यकता है।

वर्तमान स्थिति :–

1 वर्तमान मे 10000 लीटर भराव क्षमता का हौद निर्माण करवाया गया है।
2 नल कनेक्शन नही होने के कारण अभी जल की व्यवस्था टैंकर डलवाकर की जा रही है।
3 जल की पूर्ण व्यवस्था नही होने से सप्ताह मे दो बार टैंकर मंगवाकर पेड़–पौधों मे जल की व्यवस्था की जा रही है।

लक्ष्य :–

1 जल संग्रहण हेतु वर्षा ऋतु आने से पूर्व वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण करवाया जाना है।

साधन सुविधाये :–

1 सरकार की योजनानुसार/विभाग द्वारा।

क्रियान्विति के चरण :–

1 तकनीकी द्वारा तकमीना 16 मई तक तैयार करना।

www.rajteachers.com